पाठ 13. खिलौनेवाला

पाठ का परिचय

इस गीत को खिलौनेवाला गली-गली जाकर अपने खिलौने बेचते हुए गा रहा है। वह कहता है—मुन्नी, राजा मैं सीटी, बाजा और भालू लाया हूँ। तुम मुझसे ये खिलौने ले लो, सीटी बजाकर रेल को चलाओ और बाजा बजाकर गाना भी गाओ। नाचते हुए भालू को देखो, गरज़ने वाला शेर देखो, काले कुत्ते को देखो। कुत्ता तो घर का रखवाला होता है। मैंने भी घर में कुत्ता पाला है। यह छोटा बंदर और हाथी ले लो। ये सारे के सारे खिलौने सिर्फ़ तुम्हारे लिए हैं। पैसे चाहे आज दो या कल, लेकिन खिलौने तो ज़रूर ले जाना।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

पुरानी संस्कृति या पुरानी यादें बच्चों को बताना इस कविता का उद्देश्य है।

पाठ का वाचन

कविता को लय में गाकर सुनाएँ।

- एक-एक वाक्य बार-बार दोहराएँ।
- बच्चों को भी दोहराने को कहें।
- कक्षा में ऐसे ही कुछ खिलौने ले जाकर अभिनय के साथ कविता सुनाएँ तो बच्चों को और भी आनंद आएगा।
- बच्चों को आप पाँच-पाँच के समूह में बाँटें।
- कविता को मिलकर सुनाने को कहें।

महत्वपूर्ण चर्चा

बच्चों से खिलौनों से संबंधित चर्चा करें –

- क्या कभी उन्होंने इस प्रकार गा-गाकर खिलौने बेचने वाला देखा है?
- उन्हें किस तरह के खिलौने पसंद हैं?
- खिलौने इकट्ठे करने का शौक है या नहीं?
- उन्हें खिलौने कौन-कौन दिलाता है?
- खिलौने कहाँ से खरीदते हैं?
- यदि कभी उन्हें ऐसा खिलौनेवाला दिखाई दे तो क्या वे उसके पास जाना चाहेंगे?